

प्रभु श्री गणेश के सुपुत्र धन-धान्य,
स्वास्थ्य और समृद्धि के देव

धनेश्वर भगवान दोर्जी शुगदेन

इवम वी मैह दगोद्वेगःकादवे गारवे द्वाकड्देव
द्ववे वी लखामे, गदवामे वारवे परवधरगोपु

BHAGAVĀN DORJE SHUGDEN



भगवान् दोर्जी शुगदेन कौन हैं?

२,५०० से अधिक साल पहले, भारतीय राजकुमार सिद्धार्थ गौतमको, भारत के पवित्र क्षेत्र बोधगया में बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुआ था। वह शाक्यमुनि बुद्ध, जागृत वन के रूप में जाना गया, और उन्होंने वास्तविकता की सही प्रकृति पर उनकी शिक्षाओं के माध्यम से भारत के लोगों के लिए महान् शांति, खुशी और ज्ञान लाया। महान् राजा अशोक जैसे सम्राटों के प्रयत्नों के माध्यम से बौद्ध धर्म भारत से विश्व में फैला और आज एशिया के प्रमुख धर्मों में से यह एक धर्म है।

बुद्ध के मुख्य शिष्यों में से एक शिष्य भगवान् आर्य मंजुश्री थे। एक बोधिसत्व, जो लोगों को आध्यात्मिक खुशी लाने में बुद्ध की सहायता के लिए बुद्ध के एक छात्र के रूप में प्रकट हुआ। श्री मंजुश्री एक भगवान् हैं जिनके अनेक अवतार हैं। भगवान् के कई अवतारों गिनती से परे हैं और अनगिनत रूपों में दिखाई देते हैं। भगवान् सभी रंग, पृष्ठभूमि में आ सकता है, चेहरे, लिंग, और प्रकोप या शांतिपूर्ण दिखाई देते हैं। भगवान् के प्रपुत्रका कोई सीमा नहीं, कोई शुरुआत और कोई अंत नहीं है। इसलिए, भगवान् कई रूपों में प्रकट कर सकते हैं। भगवान् श्री मंजुश्री, जो इस युग पर भारत में पहली बार धन, स्वास्थ्य और समृद्धि का एक भगवान् के रूप में उत्पन्न हुए।

भगवान् मंजुश्री के इस अवतार का ही नाम भगवान् दोर्जी शुगदेन है, जिन्होंने प्रबुद्ध गणेश के पुत्र के रूप में जन्म लिया था। दोर्जी शुगदेन का एक चेहरा और तीन आंख हैं जिनसे हमें नज़र रखता है। तीसरी आंख के साथ वास्तविकता का सार्वभौमिक सत्य को देखता है। एक भिक्षु के वेश में हैं और उन्होंने एक गोल टोपी पहनने हुए हैं और वह यात्रा पर हैं और हमारी सहायताके लिए तत्क्षण आ सकते हैं। उन्होंने श्री मंजुश्री की तलवार अपने धारण कर रखी है जो हमारी समस्याओं, बाधाओं और कठिनाइयों से हमें मुक्ति दिला सकती है। वक्ष पर कामना-पूर्ति रत्न सुशोभित है जो भगवान् दोर्जी शुगदेन का प्रार्थना अर्पित करने वालों की कामनाओं की पूर्ति का प्रतीक है। उन्होंने भिक्षुक वस्त्र धारण किये हुए हैं जो दूसरों के प्रति अनंत करुणा, दया और कृपा का द्योतक है। माँ दुर्गा की समरूप वह वनराज सिंह की सवारी करते हैं जो उनके देवों के राजा होने की ओर संकेत करता है। इसके अतिरिक्त, वह सभी नकारात्मक मन जलता है, मानसिक और शारीरिक समस्याओं नष्ट कर देने वाली प्रज्ञा की अग्नि के मध्य स्थित हैं। ज्ञान की प्रज्ञा हम सबके भीतर स्वाभाविक रूप से उपस्थित होता है।

इसीलिए जब हम भगवान् दोर्जी शुगदेन का पूजा करते हैं तो हम चाहे जिस किसी धर्म के समर्थक हों, कोई फर्क नहीं पड़ता। हमें धर्म बदलने और अपनी संस्कृति को छोड़ने की आवश्यकता नहीं। भगवान् किसी धर्म विशेष से नहीं बंधे हैं। ना उनका कोई नाम या रूप नियत है। वह अनादी अनंत हैं। विभिन्न नाम, सीमाएं आदि मानव निर्मित वस्तुएं हैं। अतः हम अपने धर्म में ही रह कर, चाहे वो हिन्दू, जैन, बौद्ध, या कोई अन्य धर्म हों, हम भगवान् दोर्जी शुगदेन को अपनी प्रार्थनाएं अर्पित कर सकते हैं। यदि हम शुद्ध मन व विचार वाले हैं, हमारे हृदय में पवित्रता है और हम दूसरों के प्रति करुणा का भाव रखते हैं तो उनकी कृपा हमें अवश्य प्राप्त होगी।

भगवान दोर्जी शुगदेन की अभ्यास के लाभ।

भगवान दोर्जी शुगदेन हमें अनेक-अनेक प्रकार से सहायता देता हैं। वह व्यापारी, महिलाओं, परिवारों, विद्यार्थियों, स्वास्थ्यप्रदाताओं, पेशवरों, और किसानों के मददगार हैं और काले जादू, दुष्टात्मा, और अवसाद से रक्षा करते हैं। हमारे जीवन में हो सकने वाले नकारात्मक प्रभावों से भी वह हमें दैवीय सुरक्षा प्रदान करते हैं।

❖ १ - व्यापारियों के लिए ।

कई लोग अपने परिवार और जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से निभा पाने के लिए व्यापार की ओर रुख करते हैं। व्यापार के इच्छुक लोगों के लिए कई चुनौतियां सामने होती हैं। उन्हें ये समस्याएं कई दिशाओं से कई पक्षों से आ सकती हैं। व्यापार के इच्छुक ऐसे लोगों भगवान दोर्जी शुगदेन के लिए फूल, धूप, चाय और दीये के साथ पूजा करना और भगवान दोर्जी शुगदेन का मन्त्र जपना बेहद फायदेमंद होता है। भगवान विपत्तियों से लड़ने में उन्हें पर्याप्त शक्ति प्रदान करते हैं।

❖ २ - परिवारों के लिए।

परिवारों में समस्याएं, मतभेद, गलतफहमी और वाद-विवाद हो जाना कोई नयी बात नहीं, पर परिवार का बिखर जाना बहुत ही पीड़ादायक होता है। परिवार के बिखर जाने पर बच्चे, ससुराल वाले, माता-पिता और दादा-दादी नाना-नानी, सभी लोग दुःख और पीड़ा उठाते हैं। बेहतर एकता और आपसी प्रेम के लिए परिवार वालों का साथ बैठकर खुले दिमाग से शांतिपूर्ण तरीके से आपस में बातचीत करना और एक-दूसरे की बात समझना बेहद जरूरी है। रोजाना दोर्जी शुगदेन की पूजा-अर्चना करने और उनसे प्रार्थना करने से आप पायेंगे कि आपके परिवार में एकता बढ़ रहा है और परिवार प्यार बढ़ रहा है।

❖ ३ - विद्यार्थियों के लिए।

वह विद्यार्थी जो विद्यालय में अच्छे प्रदर्शन के इच्छुक हैं, अच्छे अंक पाना चाहते हैं और विद्यार्जन कर बाद में अच्छी नौकरी पाना चाहते हैं ताकि वह अपने परिवार जनों, गाँव और अपने देश के काम आ सकें, भगवान दोर्जी शुगदेन पर भरोसा कर सकते हैं। रोजाना उनके मन्त्र का जाप करने से उन्हें वैचारिक स्पष्टता, ज्ञान और अच्छी स्मरण शक्ति प्राप्त होगी।

❖ ४ - चिकित्सक/ आरोग्य कर्मों।

चिकित्सक या स्वास्थ्य प्रदाता उन लोग होते हैं जो लोगों को शारीरिक पीड़ा और समस्याओं से मुक्ति दिलाते हैं। चिकित्सक कई प्रकार के होते हैं। यदि चिकित्सक भगवान दोर्जी शुगदेन की आराधना करें और उनके मन्त्र का जाप करें तो वास्तविक चिकित्सकों का उपचार करने की क्षमता में वृद्धि होगी। इसके अलावा चिकित्सक के शरीर के माध्यम से दोर्जी शुगदेन के मन्त्र की शक्ति रोगी के शरीर में प्रवेश करने से भी उसे जल्दी फायदा पहुंचता है। यानि, चिकित्सकों के लिए दूसरों को ठीक करने, उन्हें स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के लिए यह एक अत्युत्तम मन्त्र है।

❖ ५ - पेशेवरों।

पेशेवरों अपने काम में अपना जीवन झोंक देते हैं। वर्षों की पढ़ाई-लिखाई के बाद वे जीवन में सफलता के लिए काम में जुट जाते हैं। किन्तु आधुनिक जीवन के तनाव और दबावों के कारण उन्हें अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। सीमित समय, दूसरों के साथ सामंजस्य बैठना, व्यक्तिगत जीवन के लिए समय निकालना आदि जैसी चीजें अनेक कठिनाइयों का कारण बन जाती हैं। ऐसे में भगवान् दोर्जी शुगदेन की प्रार्थना से प्राप्त शक्ति के द्वारा पेशेवरों अपने जीवन की समस्याओं से निपटने में अपने को बेहतर रूप से सक्षम पायेंगे।

❖ ६ - किसानों के लिए।

किसानों का जीवन भूमि, सब्जियों और फलों में भरोसा करते हैं। वे सर्दी-गर्मी हर मौसम पर कीचड़, मिट्टी में भैंस के साथ काम करना पड़ता है। इसके बाद भी मौसम की मेहरबानी पर ही अंततः उनकी मेहनत का फल निर्भर करता है। अगर पर्याप्त उपजन ना हो तो उन्हें बेहद कठिन समय का सामना करना पड़ता है।

इसके उपाय स्वरूप किसानों और कृषक परिवारों को अपने घरों में भगवान् दोर्जी शुगदेन की मूर्ति स्थापित करने चाहिए और उचित पूजा-अर्चना करनी चाहिए। अच्छी फसल की कामना करके भगवान् दोर्जी शुगदेन को जल, फूल, अगरबत्ती, दिया समर्पित करें और उनके मन्त्र का दैनिक रूप से जाप करें। इससे आपकी खेत व पशुओं में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होगा। यह बहुत महत्वपूर्ण है। किसान क्रम में फसलों को विकसित करने के लिए उनके परिवारों लोग भगवान् दोर्जी शुगदेन पर भरोसा कर सकते हैं।

❖ ७ - जादू से पीड़ित लोगों के लिए।

कुछ लोग अन्य लोगों की खुशी और प्रगति की वजह से उनके प्रति जलन का भाव पाल लेते हैं कुछ लोग क्रोध, वाद-विवाद, असहमति या अन्य कारणों से दूसरों से अप्रसन्न हो जाते हैं। परिणामतः कई बार इस तरह के लोग जादू, टोने, मन्त्रों और बुरा उपायों के माध्यम से दूसरों को हानि पहुंचाने पर तैयार हो जाते हैं। कई लोग इन बातों यानि जादू-टोने जैसी चीजों पर भरोसा करते हैं, कई लोग नहीं करते। पर आप चाहे इन चीजों को माने या फिर ना मानें, ये चीजें होती हैं, और कई बार हानि भी पहुंचा देती हैं।

दोर्जी शुगदेन भगवान् श्री मंजुश्री के परम अवतार हैं जो जादू-टोने से बचाने में, उसका असर समाप्त करने में और उससे मुक्त करने में अत्यंत शक्तिशाली हैं। भगवान् दोर्जी शुगदेन के निरंतर पूजा सेवा से धीरे-धीरे जादू-टोने के प्रभावों से मुक्ति मिलने लगती है, और ईर्ष्यालु लोगों द्वारा कराये गए इन घातक वारों का असर समाप्त हो जाता है। दोर्जी शुगदेन किसी को हानि नहीं पहुंचाते क्योंकि वह सब को प्रेम करते हैं, किन्तु वह हमारी रक्षा अवश्य करते हैं।

❖ ८ - प्रेतात्माओं से पीड़ित लोगों हेतु।

कतिपय चौराहे, घर, गलियां, जंगल और शमशान आदि में शक्तिशाली भूत-प्रेत आदि रहते हैं। भूत-प्रेत आदि आत्माएं वे लोग होते हैं जो मृत्यु को तो प्राप्त हो गए किन्तु अगले लोक में नहीं जा पाए और बीच में ही रह गए। उन्होंने पुनः जन्म भी नहीं लिया। वे अप्रसन्न, दुखी और मोह से बंधे लोग होते हैं। कई बार ये आत्माएं दूसरों को हानि पहुंचाती हैं, डराती हैं, रोग आदि का कारण बनती हैं और समस्याएं उत्पन्न करती हैं।

इन आत्माओं को दूर करना आवश्यक होता है। हमें उनसे डरने की जरूरत नहीं परंतु उनके प्रति करुणा का भाव रखना चाहिए। भगवान् दोर्जी शुगदेन के मन्त्रों का जप करके करुणा का प्रदर्शन करने पर ये आत्माएं व्यक्ति या स्थान को छोड़ देती हैं और हमें आगे नुकसान नहीं पहुंचाती हैं।

❖ ९ - अवसाद से ग्रस्त लोगों के लिए।

अवसाद वह अवस्था है जिसमें हम आशाहीन और निराश महसूस करते हैं। हम हार मान चुके होते हैं, हम आगे लड़ाई नहीं लड़ना चाहते और हम अपनी आंतरिक शक्ति खो चुके होते हैं हम सब जीवन में कभी ना कभी अवसाद जैसी अवस्था गुजरते हैं। अवसाद का इलाज आसान नहीं है। कई बार यह चिकित्सीय अवस्था होती है, कई बार मानसिक और कई बार यह गलत दिशा और तरीके के सोच-विचार के कारण होता है। अगर यह चिकित्सीय अवस्था है तो हमें योग्य चिकित्सक की जरूरत होती है। किन्तु यह गलत दृष्टिकोण, दुर्बल मन और शरीर आदि के कारण है तो भगवान् दोर्जी शुगदेन के मंत्र का जाप हमें अवसाद से मुक्ति पाने में मदद करता है। यह हमारा मार्गदर्शन करता है और बेहतर परिस्थितियों का निर्माण करता है। अवसाद में केवल भगवान् पर ही निर्भर नहीं रहना है बल्कि मदद और सहायता लेना भी जरूरी है।

❖ १० - जिन्हें रक्षा चाहिए।

कई बार हमें ऐसे स्थानों पर जाना पड़ता है या यात्रा करनी पड़ सकती है जो खतरनाक हों, दूर हों, अपराध आदि की वजह से सुरक्षित ना हों, या प्राकृतिक आपदाओं की जहाँ अधिक संभावना रहती हो। ऐसे स्थानों पर हमें बहुत सावधान रहना होता है। हमें कुछ हो जाए तो हमारे परिवार को दुःख उठाना पड़ सकता है। यात्रा से पूर्व और यात्रा के दौरान, भगवान् दोर्जी शुगदेन की पूजा करने, उनसे प्रार्थना करने और उनके मन्त्र के उच्चारण करने से वो प्रसन्न होते हैं और हमें सुरक्षा प्राप्त होती है।



काम के उपाय।

आप भगवान् दोर्जी शुगदेन की प्रार्थना (यहाँ सम्मिलित), जिसका शीर्षक "शांति की प्राप्ति हेतु संपत्ति, शांति और सुरक्षा का दैनिक अनुरोध" रोजाना पढ़ सकते हैं। दोर्जी शुगदेन की पूजा और प्रार्थना गणेश जी, श्री कृष्ण, माँ लक्ष्मी, माँ दुर्गा, माँ काली आदि के साथ की जा सकती है। आप चाहे जिन देवी-देवता या भगवान् को मानते हों, उनके साथ आप दोर्जी शुगदेन का भी पूजा कर सकते हैं।

भगवान् दोर्जी शुगदेन को माँस, रक्त या हिंसा से प्राप्त सामग्री का अर्पण ना करें। इसके बजाय पर दही, दूध, चाय, पानी, पुष्प, सुगन्धित धूप और दीये आदि उन्हें अर्पित कर सकते हैं। दोर्जी शुगदेन एक देव अवातार, और भगवान् को आपसे हिंसा या किसी की मृत्यु की अपेक्षा नहीं होती, उन्हें आपसे पशु या पशु वध नहीं चाहिए।

दोर्जी शुगदेन की छोटी प्रार्थना।

संपत्ति, शांति और सुरक्षा के लिए एक दैनिक अनुरोध।

दोर्जी शुगदेन को समर्पित इस दैनिक प्रार्थना की रचना 25 वें महामान्य छेम रिन्पोछे ने गुरुवार, 26 फरवरी 2015 को प्रातः 2:03 बजे की थी।

ईश्वर के अनेक रूप और असंख्य अभिव्यक्तियाँ हैं। ये सभी अभिव्यक्तियाँ हमें ईश्वर के अलग-अलग रूप दिखलाती हैं ताकि वे सभी जीवों को लाभ पहुंचा सकें। ईश्वर के सभी रूपकाय प्रकार कृपा, कुशलता और मनीषा से परिपूर्ण हैं। हम चाहे दुःख, विषाद, उदासी, भ्रम, अपूर्ण, परिपूर्ण या कुछ भी और अनुभव करें, हमारे अज्ञान और हमारी अप्रशिक्षित मनोस्थिति के कारण हम अपनी भावनाओं के अनुरूप ही बाहरी वस्तुओं और परिस्थितियों को देखते हैं।

हमारी प्रकृति को जानते-समझते हुए, हे सर्वज्ञ दोर्जी शुगदेन, कृपया हमें उसी प्रकार अपने हृदय के नज़दीक रखें जैसे माता-पिता अपने बालक को रखते हैं।

यद्यपि ईश्वर और उसके नाना रूप हमसे किसी उपहार या वस्तु की अपेक्षा नहीं रखते, फिर भी हम सर्वोत्कृष्ट मंजुश्री दोर्जी शुगदेन को नेह और प्रेम से चाय, धूप व मन्त्र समर्पित करते हैं और आपसे आशीष की कामना करते हैं। कामना करते हैं कि आप हमारे जीवन, हृदय और घरों में निवास करें एवं हमें शुभ-अशुभ, अच्छे-बुरे का संकेतों और शकुनों के माध्यम से जान कराते रहें। बुरे होने की संभावनाएँ के समय उनसे हमारी रक्षा करें। मेरे दुर्बल मनो-मस्तिष्क में भले और सकरात्मकता का भाव पल्लवित करें। मेरी सारी आशाएँ आपमें ही निर्भर करती हैं।

कठिनाइयों, समस्याओं और भ्रम के उदय के समय, हे सर्वशक्तिशाली पवित्रतम सर्वदर्शी प्रभु, आप मुझ पर, मेरे परिवार, मेरे प्रियजनों, वातावरण और मेरे पालतू पशुओं पर भी अपनी कृपादृष्टि बनाएँ रखें। मुझे ज्ञान का आशीष दें, आशा और शांति प्रदान करें।

हे केसरिया वस्त्रधारी, सर पर गोल टोपी से सुशोभित, मुक्ति, न्याय और ज्ञान की खड़ग और सर्व कामनाओं की पूर्ति स्वरूप रत्न धारण किये, भगवान् दोर्जी शुगदेन जिनकी सवारी समस्त दोषों का दमन करने वाला सिंह है, उनसे मैं अपनी मनोकामनाओंकी पूर्ति की प्रार्थना करता हूँ। मैं जानता हूँ कि मेरी कामनाएँ कल्याणकारी ही हों, यह आवश्यक नहीं। आप स्वयं जानते हैं कि मेरे लिए क्या कल्याणकारी है अतः मैं आप पर ही भरोसा करता हूँ, अपनी तुच्छ बुद्धि पर नहीं। मैं और समस्त लोक मुक्ति के पथ पर बढ़ सकें, ऐसा आशीर्वाद दें।

सर्व मंगलकारी भगवान् दोर्जी शुगदेन, मुझ पर कृपा करें और मेरे हृदय में निवास करें। स्वार्थ के भाव से मुक्त हो कर, निःस्वार्थ भाव से औरों की सेवा कर सकूँ, मुझे ऐसी बुद्धि, धैर्य और चेतना प्रदान करें।

मुझे और अधिक दयालुता, बुद्धिमत्ता, करुणा, सहिष्णुता और वे सब जो मुझे प्रेम करते हैं उनके प्रति और जो मुझे चोट पहुंचाते हैं उनके प्रति भी मुझे क्षमाशीलता का आशीर्वाद दें। हे दोर्जी शुगदेन, आपके निकट आने हेतु मैं अपनी तुच्छता त्याग सकने में सक्षम हो सकूँ। मैं अपने सीमित दृष्टिकोण, अनुमानों और हठ से मुक्त हो सकूँ। क्योंकि अंत में, जब मैं अस्तित्व के धरातल को छोड़ रहा होऊंगा, उस समय मेरे पुण्य कर्म ही मेरे साथ होंगे और सब कुछ सब लोग पीछे छूट जायेंगे। मैं यह वास्तविकता सदैव स्मरण रख सकूँ और सदैव तदनुसार कार्य करूँ। हे सर्वशक्तिशाली अतिकृपालु दोर्जी शुगदेन, मुझे आपकी छवि अपने मानस पटल पर प्राप्त कर सकने की योग्यता प्रदान करें ताकि मैं अपनी आध्यात्मिक यात्रा के पथ पर अग्रसर हो सकूँ।

मैं आपको केसरिया रंग की चाय और अपना विश्वास समर्पित कर आपसे अपनी प्रार्थनाओं की पूर्ति और सिद्धियों की प्राप्ति की आकांक्षा करता हूँ। आपके मन्त्र का उच्चारण करने पर आरोग्य, शांति, प्रेम, आयुष, सुरक्षा और सुनयत का उदय हो। कृपा करें।

पूर्णता, शांति और ज्ञान का मन्त्र:

ॐ बेंजा विकी बिताना सोहा

(रोजाना इस मन्त्र की एक या अधिक मालाएं जपना लाभप्रद है। समय-समय पर, ऐसे आयोजनों में सम्मिलित होने का प्रयास करें जहाँ आप वर्षभर में 100,000 या अधिक मन्त्रों का जाप कर पायें।)

निष्कर्ष

सभी भारतीय, असल में, जो कोई भी भारत में रहता हो, भारत में रुचि रखता हो या भारत से सम्बंधित हो, उसे अपनी संस्कृति, भाषा और धर्म पर गर्व होना चाहिए। भारतीयों को अपना धर्म छोड़कर किसी और धर्म को अपनाने की जरूरत नहीं। वे भगवान दोर्जी शुगदेन को अपने धर्म और संस्कृति में समाहित व शामिल कर सकते हैं और उनकी पूजा कर सकते हैं। अपने धर्म, अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को बदलना भगवान की पूजा नहीं। यह हमारी राष्ट्रीय एकता, हमारे प्राचीन इतिहास और यहाँ तक कि हमारे परिवार को भी हानि पहुंचा सकता है।

भगवान दोर्जी शुगदेन सबको आशीर्वाद देते हैं, सबकी सहायता करते हैं। भगवान दोर्जी शुगदेन का अवतरण एक विशेष अवतरण है। उन्होंने कलियुग के समय में हमारी कठिनाइयों को दूर करने के लिए अवतार लिया है।

आप सबका कल्याण हो।

छेम रन्पोछे।

WHO IS BHAGAVĀN DORJE SHUGDEN?

Over 2500 years ago, the Indian Prince Siddhartha Gautama attained Enlightenment below the Bodhi Tree in the holy area of Bodhgaya in India. He became known as Shakyamuni Buddha, the Awakened One, and brought great peace, happiness and wisdom to the people of India through his teachings on the true nature of reality. From India, Buddhism spread to the world through the efforts of Indian emperors such as the great King Ashoka and today continues to be one of the primary religions of Asia.

One of the Buddha's principle disciples was the Bhagavān Arya Manjushree, a Bodhisattva who manifested in the aspect of a student to assist the Buddha in bringing spiritual joy to the people. Manjushree is a Bhagavān who has many avatars. The many avatars of Bhagavān are beyond count and appear in countless forms. The Bhagavān can come in all colours, backgrounds, faces, genders, and appear wrathful or peaceful. The Bhagavān's form has no limits, no beginning and no end. Therefore, the Bhagavān can manifest in many forms. From Bhagavān Manjushree, who first appeared in India in this aeon, he emanates in the form of a God of wealth, health and prosperity.

This avatar of Bhagavān Manjushree is called Bhagavān Dorje Shugden, who took birth as the son of the enlightened Lord Ganesha. Dorje Shugden manifests with one face, looking at us with three eyes. The third eye sees the universal truth of reality with no limit. He is in the form of a monk, wearing a round hat which symbolises he is travelling and will arrive to help us very quickly. He is holding the sword of Manjushree which cuts through our problems, difficulties and obstacles. He holds at his heart a wish-fulfilling jewel, symbolising that all those who pray to Bhagavān Dorje Shugden will have their wishes fulfilled. He wears the robe of a *bhikshu*, of a fully-ordained monk, representing kindness, compassion and generosity towards others. He rides on the king of all animals, a lion, similar to Mother Durga, representing his power as a king of Gods. Moreover, he is amidst the flames of *prajñā*, which burns up all negative minds, psychic and physical problems. It is the wisdom *prajñā* that is inherent in all of us.

Therefore when we pray to Bhagavān Dorje Shugden, we can be of any religion. We do not need to convert, change our culture or put it away. Bhagavān has no religion, name or form, no beginning and no end; it is men who create the different names, labels and borders. Thus, we can remain the religion that we are, whether Hindu, Jain, Buddhist, or any religion, and we can still pray to Bhagavān Dorje Shugden. He will bless us if we are sincere, if we have a good heart and if we are kind to others.

THE BENEFITS OF BHAGAVĀN DORJE SHUGDEN'S PRACTICE

Bhagavān Dorje Shugden helps us in many ways. He helps businessmen and women, families, students, healers, professionals, and farmers as well as people who suffer from black magic, spirits, and depression. He also gives divine protection against anything negative in our lives.

1. FOR BUSINESSMEN AND BUSINESSWOMEN

Those who wish to do private businesses in order to earn money to take care of their families, responsibilities and perhaps even expand their families may encounter many problems from many directions and from many different parties. Therefore, when a sincere businessman or businesswoman fully relies on Bhagavān Dorje Shugden through offering flowers, incense, tea and light daily as well as by reciting Dorje Shugden's mantra, he will help them achieve a better situation to be able to support their families and take care of their needs.

2. FOR FAMILIES

Families may have problems, disharmony, misunderstandings and arguments which sometimes cause separation. When families have disharmony and problems, the children, in-laws, parents and grandparents suffer. In order for families to be blessed and to have more harmony, it is important for the family members to always sit and discuss things nicely, honestly and respectfully with one another. By doing Dorje Shugden's puja and prayers daily, they will see their families growing and becoming more harmonious.

3. FOR STUDENTS

Students who wish to do well in school, obtain good grades, and expand their minds to have knowledge so that they may get good jobs when they are older to help their families, villages, city and country can rely on Bhagavān Dorje Shugden. By reciting his mantra daily, they will gain clarity, wisdom and good memory.

4. FOR HEALERS

Healers are people who remove pain and physical problems from people's bodies. There are many types of healers. When healers of any background pray to Bhagavān Dorje Shugden and do his mantra daily and well, the healing ability of genuine healers will increase. Additionally, the energy of Dorje Shugden's mantra will enter the body of the sick through the healers and help them to become well. So it is an excellent mantra for healers to recite to benefit others to become well.



5. PROFESSIONALS

Professionals dedicate their lives to their work. After years of studying, they engage in work with the aim of succeeding in life. But due to the pressures of modern life, they encounter many problems, from deadlines, dealing with others and wanting personal time with friends and family. In this day and age, praying to Bhagavān Dorje Shugden alleviates any problems professionals face, making life smoother and free of any unwanted obstacles.



6. FOR FARMERS

Farmers rely on the land, vegetables, and fruits that they sow. They work hard in the summer - sometimes in the mud - with the buffaloes, planting, waiting for rain and sunshine, subjected to different weather conditions. Eventually, they need to harvest all their crops so that they will have something to live off through the winter. If their crops do not grow and fail, then the farmers suffer tremendously. They suffer very badly.

Therefore, it would be wise for farmers and farming families to install Bhagavān Dorje Shugden in their homes and pray to Bhagavān Dorje Shugden. Offer Bhagavān Dorje Shugden water, flowers, incense and light and recite his mantra daily for the crops. This will bless your land along with your animals. This is very important. Farmers can rely on Bhagavān Dorje Shugden in order to help their families grow their crops.



7. FOR THOSE SUFFERING FROM MAGIC

Some people are jealous and unhappy of other people's success. Some people are unhappy with others due to anger, arguments, disagreements or for whatever reasons. As a result, sometimes certain people can contact powerful people to hurt others through magic, incantations, mantras and rituals which can hurt another person. Some people believe in magic, some people don't, but whether they believe or not, magic does exist and sometimes it can harm.

Dorje Shugden is the most supreme avatar of Bhagavān Shree Manjushri who is very powerful to stop magic, to release people from magic and to protect them from being harmed by magic. By propitiating Bhagavān Dorje Shugden consistently, over time one will be released from magic, protected from magic and the magic from jealous parties cannot harm us. Dorje Shugden will never hurt the other party, as he loves everyone equally, but he will protect us.



8. FOR THOSE DISTURBED BY SPIRITS

Certain passes, streets, houses, valleys, forests and cemeteries have very powerful spirits residing there. The spirits are people who have passed away, cannot move on, and are unable to reincarnate and they have remained in the area unhappy, sad and attached. Sometimes, these spirits do harm to others, frighten them, cause diseases, and create problems.

These spirits need to be released. We need not be afraid of them but instead we should show them great *karuna* (compassion). By showing and generating great *karuna* to these spirits through recitation of Bhagavān Dorje Shugden's mantra, the spirits will be released and they cannot harm us further.

9. FOR THOSE SUFFERING FROM DEPRESSION

Depression is a state of mind where we feel hopelessness and sadness. We wish to give up, we do not wish to fight anymore and we have lost our inner strength. All of us suffer through depression at one time or another in our lives. Depression is not easy to heal. Sometimes it is clinical, sometimes psychic, or sometimes it is the wrong way of thinking. If it is clinical, we must get help from a professional, but if it is any other type of depression arising from wrong views, an unhealthy body or an unclear mind, reciting the mantra of Bhagavān Dorje Shugden can guide us and help us to heal from depression or find help to become free of depression. What is important for depression is not to rely on Bhagavān alone and ask to release our unhappiness, but also seek help at the same time.

10. FOR THOSE WHO NEED PROTECTION

At times we need to travel, without choice, to various places that are dangerous, far, troubled with crime or prone to natural disasters. In order to travel to these places, we need to be very careful. If something happens to us, our families will suffer. Before and during travel, by doing puja, making offerings and reciting Dorje Shugden's prayer and mantra, we can be protected and remain safe.

USEFUL TIPS

You can recite the prayer to Bhagavān Dorje Shugden (included here) daily, which is titled "*A Daily Request for Sampatti, Śānti and Surakṣā*" to bring peace. Dorje Shugden's pujas and prayers can be done together with Ganesha, Shiva, Krishna, Lakshmi, Durga, Kali or any others. Whoever your Bhagavān is, you can do Dorje Shugden together with all the Bhagavān pujas simultaneously.

Do not ever offer meat, animals, blood or anything that you have to kill to Bhagavān Dorje Shugden. Instead, you should offer yoghurt, milk, tea, water, flowers, incense and light. Dorje Shugden is an avatar Bhagavān, and Bhagavāns do not need things to be killed, they do not need animals.

SHORT PRAYER TO DORJE SHUGDEN A DAILY REQUEST FOR SAMPATTI, ŚĀNTI AND SURAKṢĀ

This daily prayer to Dorje Shugden was composed by H.E. the 25th Tsem Rinpoche on Thursday, 26 February 2015 at 2:03am.

In the heavens there are myriad manifestations of the divine. All those manifestations specifically show us different aspects of divinity in order to be of benefit to all living beings. All the rupakaya forms of the divine have compassion, skilful means and wisdom. We invoke upon them whether we are happy, sad, down, lost, fulfilled, confused, empty, and during the whole range of emotions we constantly experience due to an untrained mind.

Understanding our nature, Great Wisdom Being Dorje Shugden, therefore all the more so, please hold us close to your bosom as an only child to a parent.

Though the manifestations of the divine need no offerings and gifts from us, we offer you supreme Manjushri Dorje Shugden a libation of tea, incense and mantras, in order to ask you to bless us, to be a part of our lives, to abide in our dwellings and to give us signs, omens and portents of both good and bad. When the negative arises, quell them immediately. Please increase the positive for my weary and worn mind as I lay my hopes in you.

When difficulties, problems and confusion arise, we ask you, who is but the culmination of all that is powerful, holy and omniscient to bless myself, family, loved ones, environment and even my pets. May I see wisdom, find hope, and be at peace.

I request you, O Divine Bhagavān Dorje Shugden, who wears a round dome hat and the three robes of a saffroned bhikshu, who wields a sword of liberty, justice and wisdom and clutches a wish-fulfilling jewel, who rides on a supreme lion of subjugation of all that is negative, to fulfil my wishes. I understand my wishes may not be the best, so I surrender to your wisdom for the outcome though it may not be what I have in mind. Please bless myself and everyone that we may enter into the supreme city of liberation.

Great Bhagavān Dorje Shugden, I request you sincerely from my heart to be a part of my life, bless my home, and grant me wisdom, solace and comfort, that I might be of service to others without agenda, and that I may focus out onto others and not be fixated on myself, creating more problems for all that I hold dear.

Bless me to become kinder, wiser, more compassionate, tolerant and very forgiving to all those who hurt and love me. In order to become close to you, Dorje Shugden, we must surrender the banal. We must abandon fixed views, projections and rigidity. Lastly, in my final moment when I leave this plane of existence, only the positive actions I have done will matter as everything and everyone will be left behind. Let me realise this and act upon this now! At this crucial moment, please may I have a vision of yourself, the powerful and merciful Dorje Shugden, to take me to where I may course in the sky to continue my journey of spiritual waxing.

I offer you saffron-coloured tea and my faith to fulfil my prayers and gain siddhis. By reciting your mantra, may healing, peace, love, long life, protection and perfect view of sunyata arise.

Mantra of fulfillment, peace and wisdom:

OM BENZA WIKI BITANA SOHA

(It is good to recite this mantra one rosary or more per day. Occasionally, engage in retreats where you recite the mantra 100,000 times or more per year, every year.)

CONCLUSION

All Indians and, in fact, anyone living in India, interested in India or related to India in any way, should be proud of their culture, language and religion. Indians do not need to convert to another religion and can incorporate Bhagavān Dorje Shugden into their religion and beautiful culture to pray together. Changing our religion, our identity and culture is not an offering to Bhagavān. This is disrupting our national unity, our ancient history and it may also disrupt our families.

Bhagavān Dorje Shugden will bless everyone, will help everyone, and will assist everyone on all levels and backgrounds. Bhagavān Dorje Shugden is a very special avatar who has emanated and appeared to remove our problems during the age of Kaliyuga.

May all of you receive peace.

TSEM RINPOCHE



For more information, visit:

अधिक जानकारीके लिए
ये वेब साइट देखे,



tsemrinpoche.com



dorje shugden
WORLD PEACE PROTECTOR

dorjeshugden.org



VAJRASECRETS
BY KECHARA

vajrasecrets.com